dated the 25th January, 1988, publishing the Metro Railway (Carnage of Baggage) Rules, 1988. [Placed in Library. *See* No. LT-5517|88]

BEPORTS OF THE COMMITTEE ON THE WELFARE OF SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRD3ES

DR. FAGUNI RAM (Bihar): Sir, I beg to lay on the Table a copy each (in English and Hindi)' of the following Reports of the Committee on the Welfare of Scheduled Castes and Scheduled Tribes:—

(i) Thirtieth Report of the Committee on the Ministry of Welfare-Socio-economic conditions of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the Union Territory of Andaman and Nicobar Islands.

(ii) Thirty-third Report of the Committee on action taken by Government on the recommendations contained in their Twenty-third Report on the Ministry of Railways (Railway Board)—Reservations for, and employment of Scheduled Castes and Scheduled Tribes in Western Railway.

ANNOUNCEMENT RE. GOVERNMENT BUSINESS FOR THE WEEK COMMENCING MONDAY, THE 7TH MARCH, 1988.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI M. M. JACOB): Sir, with your permission I rise to announce that Government Business in this House during the week commencing Monday, the 7th March, 1988; will consist of:

1. Consideration of any item of Government Business carried over from today's Order Paper.

2. General Discussion on Railway Budget for 1988-89.

[The Deputy Chairman in the Chair]

MOTION OF THANKS ON THE PRESDENT ADDRESS Contd.

डा० फागूनी राम (बिहार) : मैडम डिप्टी चेयरमैन महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे राष्ट्रपति के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं राष्ट्रपति के अभिभाषण पर श्री कुलकर्णी जी द्वारा रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं।

महोदया, राष्ट्रपति जी ने अपने भाषण में संविधान के लक्ष्यों की व्याख्या करते हुए एक ऐसे भारत की कल्पना की है जहां राष्ट्र की एकता और अखंडता को कोई भी शक्ति खंडित नहीं कर सके। जहां लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद के आदर्शों में लोगों की पूरी श्रद्धा हो, जहां प्राकृतिक संपदा निरंतर बढ़ती रहे और जहां के नागरिक नैतिक, आध्यात्मिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा के लिए तत्पर रहें और वसुधैव कुटुबकम् की राष्ट्रीय भावना को बढ़ाने की रक्षा के लिए कृत-संकल्प रहें।

महोदया, राष्ट्रपति जी ने देश के सांस्कृतिक, आर्थिक और वैज्ञानिक प्रगति के पंडित आदरणीय पंडित जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा जी के सिद्धान्तों को मुखरित किया है। हमारे आदरणीय प्रधान मंत्री श्री राजीव गांधी जी इन्हीं आदर्शों और लक्ष्यों की पूर्ति के लिए प्रयत्नशील हैं लेकिन दुर्भाग्य से कुछ ऐसी शक्तियां हैं जो विज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर आपत्ति करती हैं। ऐसे लोग यह समझते हैं कि साइंस और टैक्नोलोजी का प्रयोग करने से हमारे देश के लोगों की बेरोजगारी बढ़ेगी। मेरी राय में साइंस और टैक्नोलोजी का प्रयोग गरीबी दूर करने का अच्छा साधन है और साइंस और टैक्नोलोजी ही उसको सार्थक कर सकती है। इसी से देश का, समाज का आर्थिक विकास हो सकता है, समाज की प्रगति हो सकती है।